No. of Printed Pages : 4

MMDE-076

M.ED. SPECIAL EDUCATION - HEARING IMPAIRMENT (MEDSEHI)

00052

Term-End Examination

December, 2016

MMDE-076 : CURRICULUM AND TEACHING STRATEGIES FOR CHILDREN WITH HEARING IMPAIRMENT

Time : 3 hours *Maximum Marks : 75*

Note : *(i) Both **Part-A** and **Part-B** are **compulsory**.*

(ii) Marks are allotted against each question.

PART - A

Answer **any three** (3) questions from Q. No. **1-5**.
Each questions carries 5 Marks.

1. Explain the role of language in the curriculum for young children with hearing impairment. 5

2. Write a short note on 'Type of individuals who need Alternative and Augmentative Communication (AAC)'. 5

3. What do you understand by 'remedial reading' ? Explain. 5

4. Write the conditions that would promote full inclusion of children with hearing impairment in mainstream schools. 5

5. What are the differences between NRT and CRT ? Explain. 5

PART - B

Attempt **any four (4)** questions from Part - B. Question No. **11** is **Compulsory**. Each question carries **15** Marks.

6. Discuss various techniques of counselling that would promote academic performance of children with hearing impairment in schools. **15**

7. Discuss the job options available broadly for persons with hearing impairment. **15**

8. What is 'unisensory approach' ? How is it different from 'multisensory approach' ? Discuss with field examples. **15**

9. Discuss various techniques of developing language in children with hearing impairment. **15**

10. Describe facilities and educational concessions that are available to children with hearing impairment in various examination boards and councils. **15**

11. Outline a curriculum for young deaf children for development of language and academic readiness. **15**

एम.एड. विशेष शिक्षा - श्रवण बाधिता
(एम.ई.डी.एस.ई.एच.आई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2016

एम.एम.डी.ई.-076 : श्रवण अक्षम बच्चों के लिए पाठ्यक्रम एवं अध्यापन नीतियाँ

समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 75*

नोट : *(i) दोनों **भाग - अ** तथा **भाग - ब** **अनिवार्य** हैं।*

(ii) प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक दिए गए हैं।

भाग - अ

प्रश्न संख्या 1 से 5 में से **किन्हीं तीन** (3) प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

1. श्रवण-बाधित छोटे बच्चों के लिए पाठ्यक्रम में भाषा की भूमिका की व्याख्या करें। 5

2. संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। उन व्यक्तियों की किस्मों पर जिन्हें आल्टर्नेटिव एवं ऑगमैंन्टेटिव संप्रेक्षण (AAC) की आवश्यकता होती है। 5

3. 'उपचारात्मक पठन' से आप क्या समझते हैं? व्याख्या कीजिए। 5

4. उन परिस्थितियों के बारे में लिखें जिनसे श्रवण-बाधित बच्चों का मुख्याधारा के विद्यालयों में संपूर्ण समावेश हो पाए। 5

5. एन.आर.टी. तथा सी.आर.टी में मुख्य भेद क्या हैं? व्याख्या कीजिए। 5

भाग - ब

भाग-ब से **किन्हीं चार (4)** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या **11 अनिवार्य** है। प्रत्येक प्रश्न **15** अंक का है।

6. परामर्श की उन विभिन्न तकनीकों पर चर्चा कीजिए। जिनके द्वारा विद्यालयों में श्रवण-बाधित बच्चों की शैक्षिक क्षमता को बढ़ावा मिलें। **15**

7. श्रवण-बाधित व्यक्तियों हेतु सामान्यतया उपलब्ध रोजगार के अवसरों पर चर्चा कीजिए। **15**

8. ''यूनीसैंसरी उपागम'' क्या है? ये ''मल्टीसैंसरी उपागम'' से किस प्रकार भिन्न है? क्षेत्र से उदाहरणों सहित चर्चा करें। **15**

9. श्रवण-बाधित बच्चों में भाषा विकास हेतु विभिन्न तकनीकों पर चर्चा करें। **15**

10. विभिन्न परीक्षा बोर्डों एवं परीषदों में श्रवण-बाधित बच्चों हेतु उपलब्ध विभिन्न शैक्षिक छूट एवं सुविधाओं का वर्णन करें। **15**

11. छोटे बधिर बच्चों में भाषा विकास एवं शैक्षिक तैयारी हेतु एक पाठ्यक्रम की रूप रेखा तैयार करें। **15**